# सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 131 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 17 जून, 2023

मूल्य ₹ 3/-

अपना भाग्य स्वयं नियंत्रित करिए नहीं तो कोई और करने लगेगा।

-जैक वेल्च


भविष्य के आधार पर हो... 8 | तमिलनाडु में ईडी की कार्रवाई पर... 3 | मणिपुर में अब भाजपा नेताओं के... 7


# यूपी से निकलेगी उम्मीदों की राह

## एनडी टीवी कॉन्क्लेव 'उम्मीदों का प्रदेश उत्तर प्रदेश' में बोले दिग्गज

## यूपी से इस बार बीजेपी को उखाड़ फेंकेगी जनता : अखिलेश

» हर डिब्बा इंजन बना फिर रहा है

» भाजपा 14 में आयी थी 24 में जायेगी

» 24 के लिए 80 हराओ बीजेपी हटाओ का नारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों से आज देश बर्बाद हो रहा है। उन्होंने कहा कि उम्मीदों का प्रदेश का अर्थ होता है पाजिटिविटी। वह आज एनडीटीवी के कार्यक्रम उप्र उम्मीदों का प्रदेश में बोल रहे थे। सपा मुखिया ने कहा उमीद एक पाजीटीव शब्द है। छह साल में इंवेस्टमेंट के नाम कुछ नहीं हुआ।

पूर्व सीएम ने कहा कि सरकारों की आंकलन व समीक्षा होनी चाहिए। ये सरकार दावे बड़े-बड़े कर रही। योगी सरकार ने एक भी जिला अस्पताल नहीं बनाया। पूर्व सीएम ने कहा कि 24 में महंगाई, गरीब, बेरोजगारी, स्वास्थ्य को इस बार मुद्दा बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा 2014 में बीजेपी यूपी से आई थी इसबार 24 में यहीं से देश की सत्ता से जाएगी।

### सभी को एक साथ आना होगा

उन्होंने इस अवसर पर कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव में विपक्ष को 80 हराओ बीजेपी हटाओ के नाम पर एकजुट होना चाहिए। भाजपा को हराने की मंशा रखने वाले सभी दलों को बड़ा दिल दिखाने को की जरुरत है। उन्होंने कहा कि यूपी में सपा को आगे करके भाजपा के खिलाफ लड़ने की जरूरत है। आने वाले समय में हम विपक्ष के लोगों के साथ बैठेंगे।

### किसान, नौजवान सभी परेशान

महंगाई बढ़ती जा रही है। किसान को एमएसपी नही मिल रहा है। रिफाइंड के दम चढ़े हुए है। छह साल हो गए पर यूपी सरकार ने अभी तक मंडी तैयार नहीं करवाई। मन्ना किसान मूल्य के लिए भटक रहे हैं। सरसों के किसानों के लिए मंडी अभी तक खुली ही नहीं।

### प्रदेश में कानून व्यवस्था बदहाल

प्रदेश में कानून व्यवस्था बदहाल है। भाजपा सरकार ने लूट, भ्रष्टाचार व बेइमानी को बढ़ा दिया है। पुलिस की निगरानी में गोलियां चल रही है हत्याएं हो रही पर सरकार वाहवाही कर रही है। पुलिस के पास से लूटी चांदी पकड़ी जा रही है। एटा में पुलिस ने एक पीड़िता को ही शोषण का शिकार बनाया। सांसद ने अपहरणकर्ताओं को छुड़ाने का प्रयास किया।

### जातिगत जनगणना होना चाहिए

जातिगत जनगणना होनी चाहिए। पर ये सरकार वह नहीं करवाना चाहती है। वह पिछड़े व दलितों का हक नहीं दिलाना चाहती है। भाजपा केवल लोगों को बांटने का काम रही है। प्राइवेट कंपनियों में भी आरक्षण होना चाहिए।

## डबल इंजन की सरकार कर रही है विकास : केशव मौर्य

» कहा, समाजवादी पार्टी बनेगी समाप्तवादी पार्टी

» आउटसोर्स कर्मियों को मिलेंगी सुविधाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उप्र में डबल इंजन की सरकार विकास के नए आयाम बना रही है। यूपी में सरकार बिना भेदभाव के काम रही है। कानून व्यवस्था पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस पर गोली चलेगी तो जवाब मिलेगा, अपराधियों में हिन्दू-मुस्लिम करना ठीक नहीं है। ये बातें उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एनडीटीवी के कार्यक्रम उम्मीदों का प्रदेश उत्तर प्रदेश के दौरान कही।

2024 में अखिलेश जी की समाजवादी पार्टी समाप्तवादी पार्टी बनेगी। अगर वह जीत भी गई तो कांग्रेस की बैसाखी ही बनेगी। फिर से मोदी सरकार बनेगी। हम 350 सीटें जीतेंगे। पूरे देश में सरकार स्टार्टअप योजना से युवकों को आत्मनिर्भर बना रही है वह नौकरी करने वाला नहीं नौकरी देने वाला बन रहा है। नौकरियों के आउटसोर्स पर उन्होंने कहा कि सरकार इस पर नजर रख रही है।

### गंगा जीवनदायनी, तेजी से हो रही सफाई

गंगा की सफाई पर उन्होंने कहा कि नमामि गंगे की योजना से आज वही निर्मल हो रही है। डिप्टी सीएम ने कहा कि कुछ लोग गंगा को मां मानते है तो कुछ नदी पर यह सबकों जीवन देती है। योगी व मोदी सरकार ने इसके किनारे रहने वाले करोड़ों लोगों के मंशानुरुप सफाई अभियान चलाया है ताकि लोग इकस स्वच्छ पानी पी भी सकें और उससे रोजगार भी हासिल कर सके।

### पूरी 80 सीटें जीतेंगे

यूपी में इस बार लोकसभा चुनाव को लेकर क्या रणनीति बन रही है? इस सवाल के जवाब में यूपी के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हम कोशिश कर रहे हैं कि यूपी में इस बार लोकसभा चुनाव में हम और हमारे साथी दल मिलकर सभी 80 सीटें जीतें। इसके लिए जमीनी स्तर पर काम किया जा रहा है।

### भ्रष्टाचार मुक्त शासन दे रहे

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त भारत हमारा लक्ष्य है। सपा-बसपा शासन में जो भ्रष्टाचार हुआ, वो किसी से छिपा नहीं है। सपा की सरकार में बिजली आती नहीं थी और भाजपा की सरकार में जाती नहीं है। हमारे शासनकाल में प्रदेश में एक्सप्रेस-वे का जाल बिछा है। कई धार्मिक स्थलों को जीर्णोद्धार हुआ है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिला है।

### गरीब कह रहा है बेहतर काम कर रहे

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में लगातार आगे बढ़ रहा है। गरीबों के बीच में आप जाएंगे, तो पाएंगे कि हम बेहतर काम कर रहे हैं। इसी तरह युवाओं, किसानों और महिलाओं को लेकर अच्छे काम कर रहे है।

# पंडित नेहरू से नफरत करती है भाजपा : संजय राउत

» म्यूजियम का नाम बदलने पर भड़की यूबीटी शिवसेना

» जिन्होंने देश बनाया, उन्हें मिटाना चाहते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। नई दिल्ली में स्थित नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी का नाम बदलकर प्रधानमंत्री म्यूजियम एंड लाइब्रेरी कर दिया गया है। कांग्रेस के विरोध के बाद अब शिवसेना (यूबीटी) ने भी म्यूजियम का नाम बदलने की निंदा की है। शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग इतिहास को मिटाना चाहते हैं।

मैं इस बात से सहमत हूं कि म्यूजियम में दूसरे प्रधानमंत्रियों को स्थान मिलना चाहिए, इस देश में प्रधानमंत्री और भी हुए हैं, अटल जी, इंदिरा जी, लाल बहादुर शास्त्री, सभी ने देश के लिए काम किया है, उस म्यूजियम में ऐसा सेक्शन होना चाहिए जिसमें दूसरे प्रधानमंत्रियों के काम को भी जगह मिले, लेकिन म्यूजियम का नाम बदलने की जरूरत नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने आगे कहा कि पंडित नेहरू ने देश को बनाने में येगदान दिया है उन्होंने आजादी की लड़ाई में भी योगदान दिया था। उन्हीं के नाम पर ये पंडित जवाहर लाल नेहरू प्राइम मिनिस्टर म्यूजियम हो सकता था लेकिन बीजेपी इतिहास को खत्म करना चाहते हो।

### मोदी जी ने दिया छोटे मन का परिचय : गौरव वल्लभ

कांग्रेस नेता गौरव वल्लभ ने कहा, नेहरू जी के सामने मोदी जी का व्यक्तित्व आज भी बहुत छोटा है। वो सोचते हैं कि नेहरू जी का नाम बोर्ड से हटाने से नेहरू जी का व्यक्तित्व कम हो जाएगा। नेहरू जी वो व्यक्ति हैं, जिन्हें देश के लोग आर्किटेक्ट ऑफ मॉडर्न इंडिया मानते हैं। 1947 में नेहरू जी ने आईआईटी, आईआईएम, डीआरडीओ, इसरो, भाखड़ा नांगड़ा बांध और एम्स की परिकल्पना की। गौरव बल्लभ ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कथन का जिक्र करते हुए कहा कि छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता और आपने छोटे मन का परिचय देश के सामने दिया है। बोर्ड से तो पंडित जी का नाम भले मिटा दो लेकिन 140 करोड़ लोगों के मन से उनका नाम नहीं मिटा सकेंगे।

## मध्यप्रदेश की राजनीति में अब डीएनए की एंट्री

# जयस में है कांग्रेस के जीन : कमलनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। बड़वानी जिले के पाटी में नारी सम्मान योजना के सम्मेलन में पहुंचे प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के जयस संगठन को लेकर दिए गए बयान ने अब तूल पकड़ लिया है। कमलनाथ ने बड़वानी में मीडिया से बात करते हुए कहा था कि जयस में कांग्रेस का ही डीएनए और खून है। अब इस बयान को लेकर सियासत शुरू हो गई है। जयस ने इस बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि जयस का डीएनए ना तो कांग्रेस का है, ना ही बीजेपी का, वह सिर्फ आदिवासियों का है। भाजपा ने जयस को कांग्रेस की टीम बी बताया है।

### हमारे में आदिवासी समाज का डीएनए : जयस

इस बयान को लेकर जयस के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष ने वीडियो जारी करते हुए इसका खंडन किया है, और कहा है कि जयस सिर्फ एक विचारधारा पर काम करने वाला संगठन है। इसमें किसी पार्टी वो चाहे कांग्रेस हो या भाजपा किसी का भी डीएनए नहीं है। उनमें सिर्फ आदिवासी समाज और उनके माता-पिता का डीएनए है।

### यह कांग्रेस की टीम बी : सोनी

मामले में भाजपा जिला अध्यक्ष ओम सोनी ने कमलनाथ के बयान पर चुटकी लेते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ही मामले में खुलासा कर दिया कि कांग्रेस और जयस एक ही है। यह कांग्रेस की टीम बी है। आदिवासी समाज के नाम पर रोटी सेंक रहे हैं, और समाज के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। यह सिर्फ आदिवासी समाज और युवाओ को गुमराह कर रहे हैं। बता दें कि नारी सम्मान योजना के सम्मेलन में बड़वानी पहुंचे प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का जयस संगठन ने जयस का पंचा पहनाकर स्वागत किया था।

### कांग्रेसियों में अंग्रेजों के ही नहीं, मुगलों के भी जीन्स : वीडी शर्मा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और कमलनाथ पर निशाना साधा है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेसियों के खून में सिर्फ अंग्रेजों का ही नहीं बल्कि मुगलों का भी जीन्स है। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि दिग्विजय सिंह के बयान ने यह सिद्ध कर दिया है कि कांग्रेसियों के खून में सिर्फ अंग्रेजों के जीन्स नहीं बल्कि मुगलों के भी जीन्स है। दिग्विजय सिंह वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री होकर भी जेहादियों का गुणगान करते हैं और देश विरोधी शक्तियों के समर्थन में खड़े होते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री एक ओर ठोंगी जैसे अपशब्दों से दमोह में हिन्दू बेटियों के जबरन धर्म परिवर्तन के दर्द का एहसास नहीं होने देते हैं, वहीं दूसरी ओर हमारे पूज्य संतों और सनातन संस्कृति का अपमान करते हैं। दिग्विजय सिंह के साथ पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का दमोह के स्कूल पर हुई कार्यवाही को अनुचित बताना इस बात को पुनः प्रमाणित करता है, कि कांग्रेस के खून में मुगलों के ही जीन्स हैं।

# मिथिलांचल के लोगों से धोखा कर रहा केंद्र : पप्पू

### » अवसरवादिता ही राजनेता का काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दरभंगा। जन अधिकार पार्टी के मुखिया और पूर्व सांसद पप्पू यादव की दरभंगा कोर्ट में पेशी हुई। कोर्ट में पेशी के बाद निकलते हुए कहा कि दरभंगा में एम्स निर्माण पर सरकार भेदभाव कर रही है। उन्हें इस बात से कोई मतलब नहीं कि आम लोगों की परेशानी नहीं हो। इस कारण भिन्न भिन्न कारणों से दरभंगा एम्स के निर्माण में बाधा डाल रही है। बिहार सरकार जो भी भूमि एम्स निर्माण के लिए दे रही है उसमें कोई न कोई अड़ंगा लगा कर रिजेक्ट कर दे रही है। इससे इनकी मंशा का अंदाजा लगा सकते हैं। ये केंद्र की सरकार मिथिलांचल के लोगों से धोखा कर रही है। चाहे जिस प्रकार बने लेकिन एम्स को दरभंगा में ही बनना चाहिए।

पप्पू यादव ने जीतनराम मांझी के महागठबंधन से हटने पर कहा कि नेतागिरी तो कोई अध्यात्म का काम नहीं है। अवसरवादिता ही राजनेता का काम है। अब कोई विचारधारा पर राजनीति चलती ही नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वे तो कहते हैं कि वे हमसे ज्यादा पड़े लिखे व्यक्ति हैं। तभी तो उन्हें मुख्यमंत्री भी बनाया गया। लेकिन किसी गठबंधन कोई भी दल रहता है उसकी महत्वकांक्षा रहती है कि सम्मानजनक हिस्सेदारी मिले। जीतनराम मांझी की राजनीति अवसर के हिसाब से है।

# कर्नाटक की जीत, लोकसभा चुनाव में जीत नहीं : थरूर

### » पार्टी में मतभेद का होना सामान्य बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा है कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत के बाद उनकी पार्टी के लिए आवश्यक है कि वह आत्मसंतुष्ट नहीं हो क्योंकि मतदाताओं का रुख प्रादेशिक और राष्ट्रीय चुनावों के बीच बदल सकता है। उन्होंने 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के निराशाजनक प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि इससे कुछ महीने पहले मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को बड़ी जीत मिली थी।

लोकसभा सदस्य थरूर का कहना है कि कांग्रेस यह मानकर नहीं चल सकती कि जो चीज प्रदेश के चुनाव में काम कर गई वो राष्ट्रीय चुनाव में भी काम करेगी। थरूर ने कहा कि 2018 में हमने राजस्थान, मध्य

प्रदेश और छत्तीसगढ़ में जीत हासिल की थी, लेकिन फिर लोकसभा चुनाव में इन्हीं राज्यों में हम हार गए। मतदाता कुछ महीनों के भीतर अपना मत बदल सकता है तो यह आवश्यक है कि हमें आत्मसंतुष्ट नहीं हों। कांग्रेस में कुछ नेताओं के बीच टकराव से जुड़े मुद्दे पर थरूर ने कहा कि पार्टी में मतभेद का होना सामान्य बात है। उनका कहना है, ''राजनीति में लोगों का महत्वाकांक्षी होना सामान्य है।

# कांग्रेस छोड़े पंजाब और दिल्ली : आप

### » हम और जगह से नहीं लड़ेंगे, गठबंधन को लेकर सुझाया फॉर्मूला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्षी दलों की 23 जून को होने वाली बैठक से पहले आम आदमी पार्टी ने कहा है कि यदि कांग्रेस दिल्ली और पंजाब से अपनी दावेदारी छोड़े तो लोकसभा चुनाव में दोनों दलों के बीच राष्ट्रीय स्तर पर समझौता हो सकता है। इसके बदले में आम आदमी पार्टी शेष सभी राज्यों से अपनी दावेदारी वापस लेने के लिए तैयार है। आम आदमी पार्टी का मानना है कि इससे भाजपा के विरुद्ध वोटों का बंटवारा रुक जाएगा और उसे राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी चुनौती दी जा सकेगी।

कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के इस ऑफर पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, पंजाब में कांग्रेस की बड़ी दावेदारी को देखते हुए अरविंद केजरीवाल के इस फॉर्मूले पर कांग्रेस का सहमत होना मुश्किल माना जा रहा है। दरअसल, दिल्ली सरकार के मंत्री

सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के पास नेतृत्व और मुद्दों की कमी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस उनके मुद्दों की चोरी कर कर रही है, और उनके मुद्दों को अपने मेनिफेस्टो में शामिल कर चुनावी जीत (हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक) हासिल कर रही है। कांग्रेस नेताओं की ओर से आम आदमी पार्टी पर यह आरोप लगाया जाता है कि वह दूसरे राज्यों में चुनाव लड़कर कांग्रेस के वोटों का बंटवारा करती है, जिससे

### राष्ट्रीय नेतृत्व से चर्चा के बाद ही फैसला : कांग्रेस

कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर के एक नेता ने कहा कि विपक्षी दलों की एकता बैठक के बाद ही उनकी पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व आप से समझौते जैसे किसी मुद्दे पर विचार करेगा। लेकिन उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल को किसी गलतफहमी में नहीं पड़ना चाहिए। उन्हें याद रखना चाहिए कि पिछले लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सातों सीटों पर कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही थी। वहीं, आम आदमी पार्टी का सातों सीटों पर सूपड़ा साफ हो गया था। पांच सीटों पर उसके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। ऐसे में उसे किसी तरह की दावेदारी करते समय इन आंकड़ों पर भी विचार कर लेना चाहिए।

(गुजरात, उत्तराखंड और गोवा विधानसभा चुनाव की तरह) भाजपा की जीत की राह निकलती है। आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने अमर उजाला से कहा कि यदि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को रोकना है, तो सभी दलों को आपसी मतभेद दूर करते हुए एक मंच पर आना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को भी बड़ा दिल दिखाते हुए उन स्थानों पर दूसरे दलों को अवसर देना चाहिए, जहां दूसरे दल ज्यादा मजबूत हैं।

# जनता कर रही है भाजपा को खारिज : पवार

### » कहा- सभी गैर-भाजपा दलों को बनाना होगा न्यूनतम साझा कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार ने कहा कि वह केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार का विकल्प प्रदान करने के लिए सभी विपक्षी दलों को न्यूनतम साझा कार्यक्रम के आधार पर एकता बनाने के लिए राजी करेंगे। पवार ने यहां पत्रकारों से कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को ज्यादातर उन राज्यों में खारिज कर दिया गया है जहां वह शासन कर रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने सत्ता हथियाने के लिए चुनी हुई सरकारों को गिराया है।

एनसीपी प्रमुख ने कहा कि यदि लोगों ने राज्य स्तर पर भाजपा को खारिज कर दिया है, तो उनका (नागरिकों का) नजरिया राष्ट्रीय स्तर पर अलग नहीं होगा। उन्होंने बताया कि 23 जून को बिहार के पटना में होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में वह अपनी बात रखेंगे। उन्होंने कहा, सभी गैर-भाजपा दलों को एक साथ बैठने और न्यूनतम साझा कार्यक्रम के आधार पर विपक्षी एकता बनाने के बारे में सोचने की जरूरत है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा भाजपा ने बड़े-बड़े आश्वासन दिये, लोगों की अपेक्षाएं बढ़ाईं, लेकिन कुछ नहीं किया। यह एक विकल्प प्रदान करने का समय है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के महाराष्ट्र में पैठ बनाने की बात करने पर पवार ने कहा कि कांग्रेस-एनसीप गठबंधन को 2019 के चुनावों में प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) की मौजूदगी के कारण हार का सामना करना पड़ा था। भले ही सभी दलों को किसी भी राज्य में अपना जनाधार बढ़ाने का अधिकार है, लेकिन यह देखना होगा कि क्या बीआरएस (भाजपा की) एक बी टीम है। ज्ञात हो कि राव ने बृहस्पतिवार को नागपुर में पार्टी का एक कार्यालय खोला था और कहा था कि बीआरएस महाराष्ट्र में अपने आधार का विस्तार करेगी ताकि आगामी चुनाव अपने दम पर लड़ सके।

**बीआरएस भाजपा की एक बी टीम**

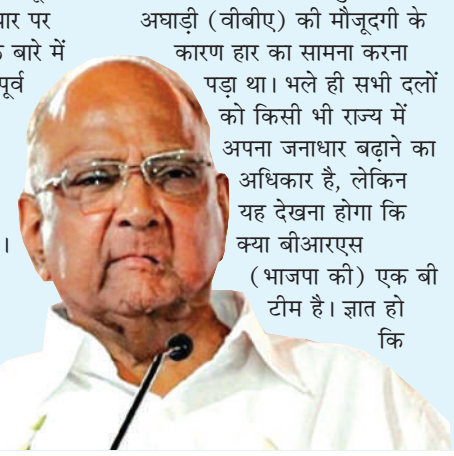

### समान विचारधारा वाले दलों से हाथ मिलाएगी कांग्रेस : पटोले

मुंबई। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि उनकी पार्टी चाहती है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराने के लिए समान विचारधारा वाले सभी दल हाथ मिलाएं। पटोले ने कांग्रेस की कोर कमेटी की बैठक के बाद कहा कि विपक्षी दलों के मतों के विभाजन को रोकने का लक्ष्य है। कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना (यूटीबी) का महा विकास आघाड़ी जल्द ही बैठक करेगा। सीटों के संयोजन को लेकर योग्यता ही पैमाना होगी। कांग्रेस चाहती है कि सभी गैर भाजपाई दल हाथ मिला लें। हमने इस पर चर्चा की कि हम इसे कैसे आगे बढ़ा सकते हैं। किसानों का संकट, बेरोजगारी महंगाई और गरीबों का कल्याण साझा न्यूनतम कार्यक्रम का मूल होगा।

# भ्रष्टाचार के बहाने सियासी वार

## तमिलनाडु में ईडी की कार्रवाई पर भड़की डीएमके

- भाजपा पर लगाया उकसाने का आरोप
- बीजेपी को मिला एक युवा चेहरा, अन्नामलाई ने जगाई उम्मीद
- अन्नामलाई की आक्रामकता से मिल सकता है लाभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में खिसके जनाधार से व्याकुल भाजपा अब तमिनाडु पर नजर गड़ाए बैठी है। तभी तो वह भ्रष्टाचार के नाम पर डीएमके सरकार के बिजली मंत्री को ईडी द्वारा गिरफ्तार करवा कर राज्य की सियासत को गरमा दिया। वहां के सीएम एम के स्टालिन इस छापेमारी के बाद आक्रामक रूप से भाजपा की मोदी सरकार पर हमलावर हो गए हैं। उन्होंने भाजपा को चेतावनी तक दे डाली है कि इस तरह से कार्यकर्ताओं को उकसाएंगे तो उसके परिणाम उचित नही होंगे। कांग्रेस ने भी स्टालिन का साथ देते हुए मोदी को तानाशाह बता दिया है।

जबकि वहां की मुख्य विपक्षी पार्टी एआईडीएमके ने केंद्र सरकार की कार्रवाई का समर्थन किया है। भ्रष्टाचार को लेकर डीएमके सरकार को घेरने की कोशिश में वहां के भाजपा के प्रमुख अन्नामलाई को सफलता भी मिली है। कभी एमके स्टालिन की सरकार में रहे पलानीवेल थियागा राजन पर अन्नामलाई जबरदस्त तरीके से आक्रामक रहे। वहीं अपने को अपने दम पर खड़े होने की कोशिश में जुटी भाजपा को उनके रूप में एक अच्छा वक्ता भी मिल गया है। पार्टी तमिलनाडु में भी अपनी पूरी ताकत लगा रही है। ऐसा लग रहा है कि उसकी उम्मीदों को फिलहाल पर मिल गया है। तभी तो तमिलनाडु के भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई जबरदस्त तरीके से सुर्खियों में रहते हैं। वह डीएमके के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की आलोचना तो करते ही हैं, साथ ही साथ पार्टी के लिए जमीन पर भी संघर्ष के लिए तत्पर रहते हैं। हाल के दिनों में देखें तो भ्रष्टाचार को लेकर अन्नामलाई डीएमके से अकेले लोहा ले रहे हैं। डीएमके के कथित भ्रष्टाचार को सामने लाने के लिए वह लगातार संघर्ष कर रहे हैं।

भ्रष्टाचार को लेकर डीएमके सरकार को घेरने की कोशिश में अन्नामलाई को सफलता भी मिली है। एमके स्टालिन की सरकार में रहे पलानीवेल थियागा राजन पर अन्नमलाई जबरदस्त तरीके से आक्रामक रहे। दबाव में आकर इन्हें स्टालिन की सरकार ने अपने कैबिनेट फेरबदल में आईटी मंत्रालय आवंटित कर दिया। इसको लेकर अन्नामलाई ने एक वीडियो क्लिप जारी किया था। वहीं, राज्य के एक अन्य मंत्री सेंथिल बालाजी को प्रवर्तन निदेशालय ने हाल में ही गिरफ्तार किया है। सेंथिल बालाजी के ऊपर भी अन्नामलाई जबरदस्त तरीके से आक्रामक रहे हैं। अन्नामलाई राज्यपाल को भी पत्र लिखकर सेंथिल बालाजी को कैबिनेट से हटाने की मांग की थी।

### मंत्री को कमरे में बंद करके सवाल पूछना गलत

सीएम स्टालिन ने सवाल किया कि मैं जांच को गलत नहीं कह रहा हूं, लेकिन वह एक सामान्य व्यक्ति नहीं है। वह पांच बार विधायक हैं और दूसरी बार मंत्री हैं। उसे बंद करके एक आतंकवादी की तरह उससे सवाल क्यों करते हैं? स्टालिन ने दावा किया कि सेंथिल बालाजी के सहयोग के लिए राजी होने के बाद भी ईडी ने दबाव बनाया, जिसके बाद बालाजी ने सीने में दर्द की शिकायत की और उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा। सीएम स्टालिन ने यह भी दावा किया कि ईडी, केंद्रीय जांच ब्यूरो और आयकर द्वारा छापे कुछ और नहीं बल्कि भाजपा का विरोध करने वालों के खिलाफ डराने की रणनीति थी।

## खोल रहे हैं डीएमके का भ्रष्टाचार

**फिलहाल तमिलनाडु में इस बात की चर्चा खूब है कि अन्नमलाई ने अपने दम पर डीएमके सरकार के भीतर भ्रष्टाचार को पूरी तरीके से बेनकाब कर दिया है। इसी के बाद भाजपा का अन्नामलाई पर विश्वास भी बढ़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार दक्षिण भारत में भाजपा की जड़ों को मजबूत करने की कोशिश में लगातार जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में अन्नामलाई का यह उदय हुआ है। अन्नामलाई के उदय से भाजपा के लिए भी उम्मीद जगी है। पिछले दो दशकों की बात करें तो भाजपा राज्य में क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ती रहे हैं। भगवा पार्टी ने राज्य की दोनों बड़ी पार्टियां एआईएडीएमके और डीएमके के साथ गठबंधन कर चुकी है। हालांकि, पार्टी को अपने पैर जमाने के लिए इससे ज्यादा लाभ नहीं हुआ।**

### जयललिता की कमी खलेगी, भाजपा स्थान भरने की कोशिश में

तमिलनाडु में जयललिता की मौत के बाद एक स्पेस जरूर खाली हुआ है। इसी स्पेस को हासिल करने के लिए भाजपा अपने अभियान में जुटी हुई है। जयललिता की मौत के बाद उनकी पार्टी एआईएडीएमके भी बैकफुट पर है। पार्टी के भीतर ही अंदरूनी कलह है और भाजपा उसका फायदा उठाना चाहती है। यही कारण है कि अन्नामलाई एआईएडीएमके के साथ गठबंधन में रहने के बावजूद भी अपनी आक्रामकता बनाए रखे हुए हैं। के अन्नामलाई युवा है, आक्रामक है और पार्टी के लिए जमीनी स्तर पर संघर्ष करने को पूरी तरीके से बेताब रहते हैं। कहीं कारण है कि वह भाजपा के शीर्ष नेताओं के गुड बुक में भी शामिल हैं। अन्नामलाई को आगे करके भाजपा शिक्षित और शहरी वोटरों को तमिलनाडु में अपने पक्ष में कर सकती है।

### भाजपा युवा चेहरे के रूप में दे रही बढ़ावा

वर्तमान में देखे तो अन्नामलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा का भरपूर समर्थन ही मिल रहा है। यह तीनों फिलहाल भाजपा के टॉप थ्री हैं। यही कारण है कि अन्नामलाई का हौसला भी काफी बुलंद रहता है। राज्य में कांग्रेस का कुछ खास जनाधार नहीं है। कांग्रेस डीएमके और एआईएडीएमके का मुकाबला करने में अपने दम पर पूरी तरीके से भी रही है। यही कारण है कि भाजपा अपने लिए तमिलनाडु में लगातार संभावनाएं तलाश रही है। 2024 लोकसभा चुनाव सामने हैं। भाजपा ने दक्षिण भारत में 100 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। तमिलनाडु में अनंत 39 लोकसभा की सीटें हैं। ऐसे में कहीं ना कहीं तमिलनाडु फिलहाल भाजपा के लिए प्रमुखता में हैं। आईपीएस की नौकरी छोड़ने के बाद अन्नामलाई 25 अगस्त 2020 को भाजपा में शामिल हुए। इसके बाद उन्हें तमिलनाडु भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया।

### आईपीएस छोड़कर बने नेता अन्नामलाई

अन्नामलाई कर्नाटक कैडर के आईपीएस अफसर रहे हैं। वह तमिलनाडु में भाजपा के सबसे युवा अध्यक्ष भी हैं। उन्हें कर्नाटक में सिंघम का नाम भी दिया गया था। लोगों में जनजागृति वह लगातार करते रहते थे। कुरान का भी उन्होंने अध्ययन किया है ताकि सांप्रदायिक तनाव को कम किया जा सके। युवाओं के लिए यह प्रेरणा स्रोत थे। इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरा करने के बाद यह लखनऊ के आईआईएम में एमबीए करने पहुंचे थे। लेकिन बहुराष्ट्रीय कंपनी में प्लेसमेंट की बजाय उन्होंने सिविल सेवा की परीक्षा दी। पहली पसंद आईएएस थी लेकिन नंबर कम होने की वजह से आईपीएस बने।

### राज्य सरकार की अनुमति पर ही केंद्रीय एजेंसियों की एंट्री

तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी के खिलाफ ईडी की छापेमारी के बाद स्टालिन सरकार ने बड़ा कदम उठाया। राज्य में मामलों की जांच के लिए सीबीआई को सामान्य सहमति वापस ले ली गई। केंद्रीय एजेंसी को अब जांच के लिए पहले राज्य की अनुमति लेनी होगी। तमिलनाडु के गृह विभाग की ओर से जारी बयान के अनुसार, तमिलनाडु सरकार ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को दी गई सामान्य सहमति वापस ले ली है। बयान के अनुसार, केंद्रीय एजेंसी, सीबीआई को अब राज्य में नए मामले की जांच के लिए तमिलनाडु सरकार से अनुमति लेनी होगी। बयान में कहा गया कि पश्चिम बंगाल, राजस्थान, केरल, मिजोरम, पंजाब और तेलंगाना में इसे पहले ही किया जा चुका है।

### कार्यकर्ताओं को उकसा रही बीजेपी : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बिजली मंत्री सेंथिल बालाजी की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी को राजनीतिक बदले की कार्रवाई करार दिया है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) को उकसाने की चेतावनी नहीं दी है। उन्होंने कहा कि हमें उकसाओ मत। डीएमके या उसके कार्यकर्ताओं को भड़काएं नहीं। यह धमकी नहीं बल्कि चेतावनी है। सीएम स्टालिन ने 10 साल पहले दी गई शिकायत पर बालाजी को जल्दबाजी में गिरफ्तार करने की जरूरत पर सवाल उठाया।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# अब चेतने की जरुरत, नहीं तो होगा बड़ा हादसा

> सवाल उठता है कि कोचिंग ने क्या सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नही किए। जिस तरह से बच्चे खिड़कियों से रस्सी पकड़ उतर रहे थे उससे तो ऐसा लगता है कि वहां आग से बचने के उपाय या उपकरण नहीं थे। कमोवेश पूरे देश में ये हाल है सिर्फ कोचिंग संस्थान ही नही कई ऐसे कई कड़ी इमारते हैं जहां ऐसी लापरवाही देखने को मिलती है और कोई न कोई बड़ा हादसा हो जाता हैं।

*दिल्ली के मुखर्जीनगर के एक कोचिंग में बड़ा हादसा होने से बच गया। ये हादसा कोचिंग में पढ़नेवाले बच्चों कर सूझबूझ से बच गया। सबसे बड़ी बात ऐसी जानकारी आ रही है घटना की जानकारी पुलिस को बच्चों के परिवारवालों के माध्यम से हुई। यहां सवाल उठता है कि कोचिंग ने क्या सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नही किए। जिस तरह से बच्चे खिड़कियों से रस्सी पकड़ उतर रहे थे उससे तो ऐसा लगता है कि वहां आग से बचने के उपाय या उपकरण नहीं थे। कमोवेश पूरे देश में ये हाल है सिर्फ कोचिंग संस्थान ही नही कई ऐसे कई कड़ी इमारते हैं जहां ऐसी लापरवाही देखने को मिलती है और कोई न कोई बड़ा हादसा हो जाता हैं। इस घटना के बाद कुछ बच्चों उस समय की अपनी मन:स्थिती बताई उसको सुनकर तो दिल ही दहल उठे। एक बच्ची ने बताया कि मुखर्जी नगर में दिन के समय जब बच्चों की भीड़ अलग-अलग कोचिंग सेंटर में पढ़ रही थी , उस समय वहां बिजली के मीटर में आग लगने से अफरातफरी मच गई। आलम यह था कि पैनिक हुए छात्र रस्सियों के सहारे बिल्डिंग से कूदने लगे।*

*हालांकि राहत रही कि कुछ अनहोनी नहीं हुई। इस भयावह हादसे के बारे में बच्चों ने बताया है। अश्वनी शर्मा,बिहार से एक महीना पहल ही दिल्ली आए थे। कुंदन ने बताया कि दो दिन पहले ही ज्ञान बिल्डिंग में यूपीएससी की कोचिंग के लिए संस्कृति कोचिंग सेंटर में एडमिशन लिया था। आज कोचिंग का पहला ही दिन था। जब आग लगी तो कुछ लोगों ने शोर मचाया। धीरे-धीरे धुएं की दुर्गंध आने लगी। कुछ देर तो कुछ समझ नहीं आया। उसके बाद स्टूडेंट्स इधर-उधर भागने लगे। कुंदन भी भागे। धुआं हॉल में भर गया था। सभी डर गए थे। चिल्लाने की आवाजें आने लगीं। तभी उन्होंने शीशे में कुर्सी मारकर उसे तोड़ा, बाहर देखा कि रस्सी लटक रही है। जिसके सहारे वह नीचे उतर गए। वहीं, अनिकेत शर्मा ने बताया कि वह गाजियाबाद में रहते हैं। वंही एक छात्र ने बताया कि आज कोचिंग के बाद उन्हें मुखर्जी नगर में रहने के लिए कमरा देखना था। लेकिन यह हादसा हो गया। अब वह यहां से कोचिंग नहीं करेंगे। अनिकेत ने कहा कि और भी कई कोचिंग सेंटर हैं, लेकिन उनकी फीस बहुत ज्यादा रहती है। परिवार के पास इतने पैसे नहीं हैं, इसलिए यहां एडमिशन लिया था। लेकिन अब यहां नहीं पढ़ेंगे, आज ही वापस गाजियाबाद जा रहे हैं। इन आप बीती बातों को सुनकर तो ऐस ही लगता है जिम्मेदार लोग इस ओर ध्यान भी नही देते हैं। नीति नियंताओं को चाहिए कि वह इसपर निगरानी करे और सख्त नियम बना ताकि दुबारा ऐसा न हो।*



(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# भारत-जर्मनी के बीच बढ़ती रक्षा रणनीतिक साझेदारी

**डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव**

अमेरिका से रक्षा संबंधी सहयोग मजबूत करने को लेकर हुई वार्ता के एक दिन बाद 6 जून को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की भारत की यात्रा पर आये जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस के साथ द्विपक्षीय वार्ता हुई जिसमें रक्षा संबंधों के बारे में विशेष चर्चा हुई। इस दौरान दोनों रक्षा प्रमुखों ने मुख्य रूप से रक्षा औद्योगिक साझेदारी मजबूत करने पर जोर दिया। इसके अलावा मुख्य सैन्य उपकरणों के सह-उत्पादन के तरीकों की समीक्षा की गई। वर्तमान में जारी आपसी रक्षा सहयोग से जुड़ी हुई गतिविधियों और रक्षा भागीदारी को विस्तृत करने के तौर-तरीकों पर भी विचार विमर्श किया गया। इस चर्चा में जर्मनी के रक्षा मंत्री ने भारत की तकरीबन 43000 करोड़ रुपये की लागत वाली छह पारंपरिक पनडुब्बियों की मेगा खरीद परियोजना को लेकर इच्छा जताई।

पनडुब्बियों से जुड़े इस सौदे के दावेदारों में जर्मनी की कम्पनी थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स भी शामिल है। विदित हो कि जून 2021 में रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए छह पारंपरिक पनडुब्बियों को देश में ही बनाने की परियोजना की स्वीकृति प्रदान की थी। बता दें कि ये पनडुब्बियां रणनीतिक साझेदारी मॉडल के तहत बनाई जाएंगी। इससे घरेलू रक्षा उपकरण निर्माताओं को आयात पर निर्भरता कम करने को उच्च गुणवत्ता वाले सैन्य मंच बनाने के लिए प्रमुख विदेशी रक्षा कम्पनियों के साथ मिलकर काम करना सरल हो जाएगा। बता दें साल 2015 के बाद भारत में जर्मनी के किसी रक्षा मंत्री की यह पहली यात्रा है। पिस्टोरियस के मुताबिक, भारतीय रक्षा उद्योग जर्मन रक्षा उद्योग की आपूर्ति श्रृंखला में भाग ले सकता है। आपूर्ति श्रृंखला में लचीलापन लाने में योगदान देने के अलावा यह पारिस्थितिकी तंत्र को भी मजबूत बना सकता है। इसके अलावा दोनों रक्षा मंत्रियों ने हिन्द-प्रशान्त और अन्य क्षेत्रों में चीन की बढ़ती आक्रामक गतिविधियों सहित समस्त क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर विचार विमर्श किया।

दुश्मन देशों की चुनौती से निपटने के लिए भारत द्वारा जर्मनी से खरीदी जा रही ये विध्वंसक पनडुब्बियां इतनी अधिक घातक व अधुनातन हैं कि शत्रु देश खौफ खायें। इन पनडुब्बियों को भारतीय नौसेना के लिए बनाया जाना है। भारत और जर्मनी के बीच हो रहे इस सौदे से चीन और पाकिस्तान का चिन्तित होना स्वाभाविक है। दरअसल, इन पनडुब्बियों की खरीद के लिए भारत सरकार ने रुचि दिखाई है क्योंकि दायचे वेले से कहा था कि भारत का लगातार रूसी हथियारों पर निर्भर रहना जर्मनी के हित में नहीं है। पिस्टोरियस के मुताबिक, भारत हथियारों से जुड़ी तकनीकों के लिए काफी हद तक रूस पर निर्भर है। ऐसे में जर्मनी भविष्य में भारत के साथ साझा हित नहीं देख पाएगा। यह एक ऐसा मुद्दा है कि जिसे हमें दूसरे साझीदारों के साथ मिलकर हल करना है और इसके लिए जर्मनी तैयार है। बता दें कि अगले वर्ष जर्मनी की नौसेना को इंडो-पेसिफिक क्षेत्र में तैनात किया जाना है। उस समय भारतीय नौसेना जर्मनी की नौसेना के साथ संयुक्त युद्धाभ्यास करने की



भारत के सामने नौसेना की रक्षा चुनौतियां काफी बढ़ गई हैं। समझौते के बाद जर्मनी की पनडुब्बी निर्माता कंपनी को एक भारतीय कंपनी के साथ पार्टनरशिप करके भारत में ही ये पनडुब्बियां बनानी होंगी। फिलहाल भारतीय नौसेना के पास संचालन योग्य 16 पनडुब्बियां हैं। इनमें से 11 पनडुब्बियां काफी पुरानी हो चुकी हैं। इसके अलावा भारत के पास दो परमाणु पनडुब्बियां हैं। ऐसे में जर्मनी की ये पनडुब्बियां भारतीय नौसेना की ताकत में काफी इजाफा करेंगी। दरअसल भारत चाहता है कि जर्मन कंपनियां संयुक्त उपक्रम में इन पनडुब्बियों का निर्माण करें। इस सौदे के दावेदारों में जर्मन कंपनी थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स (टीकेएमएस) प्रमुख है। यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इंडोनेशिया से भारत आने से पहले जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने जर्मनी के सरकारी प्रसारणकर्ता योजना बना रही है। भारत यदि छह अत्याधुनिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों को खरीदता है तो वह सामुद्रिक क्षेत्र में अत्यंत मजबूत हो जाएगा। उम्मीद है कि जर्मन कंपनी टीकेएमएस मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के साथ भारत में पनडुब्बियों का निर्माण कर सकती है। इससे पहले फ्रांस की रक्षा कंपनी इस प्रोजेक्ट से पीछे हट चुकी है।

भारत का रक्षा उद्योग जर्मनी की रक्षा कंपनियों की आपूर्ति व्यवस्था में भागीदारी कर सकता है और इससे उसकी आर्थिक व्यवस्था काफी मजबूत हो सकती है। उपर्युक्त स्थितियों के मद्देनजर दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने चर्चा के दौरान प्रमुख सैन्य प्लेटफार्मों को सह-विकसित करने के तरीके तलाशे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने द्विपक्षीय वार्ता में उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु के रक्षा गलियारों में जर्मन निवेशकों को आमंत्रित किया।

# पाक की अंतहीन आर्थिक मुश्किलों का सिलसिला

**जी. पार्थसारथी**



अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के पास पाकिस्तान का मामला काफी वक्त से 'छींके में टंगा' हुआ है, वह पहले से विदेशी मदद और खैरात पर काफी हद तक निर्भर रहा है तिस पर कोरोना महामारी के बाद हालात और बिगड़ते गए। उसकी अर्थव्यवस्था सदा संकटग्रस्त रही है। अपने प्रधानमंत्री काल में, घमंडी और मुंहफट इमरान खान मुल्क की विदेशी और घरेलू नीतियों पर राष्ट्रीय सहमति नहीं बनवा सके। जब पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था रसातल की ओर लुढ़क रही थी, ऐसे वक्त पर उन्होंने अपने दोस्तों और दुश्मनों को एक समान नाराज कर डाला। एक पाकिस्तानी मित्र ने हाल ही में चुटकी लेते हुए कहा, 'हमारे मुल्क को मुश्किल से निकालने को एक डॉ. मनमोहन सिंह की जरूरत है!' अंतर्राष्ट्रीय पटल पर भी, कट्टर इस्लामिक विचारों की ओर झुकाव रखने वाले इमरान खान को पश्चिमी जगत पसंद नहीं करता।

यहां तक कि पाकिस्तान के मित्र अरब राष्ट्रों में कुछ, विशेषकर सऊदी अरब, उनसे चिढ़ते हैं। रूस के साथ पींगें डालने के यत्नों में बहुत देर हो चुकी थी, तब तक उनका राजनीतिक आधार सिकुड़ रहा था। सबसे अहम, अमेरिका के साथ अच्छे रिश्तों को उच्चतम तरजीह देने वाले तत्कालीन सेनाध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा के साथ इमरान खान के रिश्ते तल्ख होते गए। यह जनरल बाजवा हैं जिन्होंने बारास्ता पाकिस्तान यूक्रेन को युद्धक सामग्री पहुंचाने का इंतजाम किया। उन्होंने भारत से लगती सीमा पर चलाए जा रहे सीमापारीय आतंकवाद पर नकेल डालने के प्रयासों की अगुआई की। यह कोई राज नहीं कि जनरल बाजवा को इस हकीकत का इल्म था कि लंबे खिंचे आर्थिक संकट की वजह से न तो भारत के साथ गर्मी बढ़ाने में कोई समझदारी है और न ही अफगान-तालिबान और उनके पाकिस्तानी हमबिरादरों के साथ उलझने में, जिनका व्यवहार लगातार मुश्किलें पेश कर रहा है। देश के अंदर और अफगान सीमा पर सक्रिय तालिबान तत्वों की हरकतों के साथ बरतना मुश्किल हो रहा है।

मंजर यह भी था कि एक ओर अमेरिकी फौज, राजनयिक और नागरिक बेआबरू होकर अफगानिस्तान से निकल रहे थे तो दूसरी तरफ तत्कालीन आईएसआई मुखिया ले. जनरल फैज हमीद काबुल में विजेता का भाव लिए दाखिल हो रहे थे और उस नजारे का लुत्फ ले रहे थे, जिसको बहुत से पाकिस्तानी अमेरिकियों की बेइज्जती भरा आत्मसमर्पण मानते हैं। उसके बाद से अमेरिका ने पाकिस्तान के अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से सहायता पाने वाले यत्नों पर कड़ा रुख अख्तियार कर लिया। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष से आर्थिक सहायता और उसकी सिफारिश से विश्व बैंक और एशिया विकास बैंक इत्यादि संस्थानों के दरवाजे खुलवाने की खातिर पाकिस्तान बुरी तरह हाथ-पांव चला रहा है। आज पाकिस्तान के पास एक महीने के आयात करने जितनी विदेशी मुद्रा बमुश्किल बची है। यहां तक कि उसके 'सदाबहार दोस्त' चीन ने भी इस संदर्भ में दिखावटी मदद ही की है। चीन पाकिस्तान में चल रही अपनी तमाम परियोजनाओं में अपने बंदों की सीधी उपस्थिति और उपकरणों का नियंत्रण उनके हाथ में देने के पुराने दबाव पर कायम है।

इसके अलावा पाकिस्तान को चीन से लिया ऋण बदली जा सकने वाली मुद्रा में चुकाना है। पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय सहायता तब तक उपलब्ध नहीं हो सकती जब तक कि वह अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष द्वारा रखी गई कड़ी शर्तों को नहीं स्वीकारता। यहां तक उसके मित्र और तेल संपन्न मुल्क, जैसे कि सऊदी अरब और यूएई ने भी कहने भर की मदद की है। हालांकि अपनी थैली का मुंह खोलने से पहले वे अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष की हरी झंडी का इंतजार कर रहे हैं। पाकिस्तान की किस्मत अच्छी है कि शाहबाज शरीफ गद्दी पर हैं जिनके परिवार के संबंध सऊदी अरब के सुल्तान के साथ लंबे वक्त से सुमधुर हैं। यदि सत्ता में इमरान खान होते तो शायद सऊदी अरब इतनी उदारता न दिखाता। पाकिस्तान में अक्टूबर माह में आम चुनाव होने हैं। लेकिन इसी बीच, इमरान खान से खुन्नस रखने वाले सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर के नेतृत्व वाली सेना पूर्व प्रधानमंत्री और उनके वफादारों को जेल भेजने की तैयारी में जुटी है। सेना ने इमरान समर्थक लोगों को नाथने के लिए विशेष शक्ति भी हासिल कर ली है। खुद इमरान खान भ्रष्टाचार के एक मामले में जमानत पर बाहर हैं। पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश, जो राष्ट्रपति बनने की महत्वाकांक्षा पाले हुए हैं, उन चंद लोगों में हैं जो इमरान खान को जेल से बचाने का हरसंभव प्रयास कर रहे हैं।

तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के जिन सदस्यों पर आपराधिक मामले चले, उनको जमानत पर रिहा करने वाले फैसले मुख्य न्यायाधीश लगातार देते जा रहे हैं। लेकिन जनरल मुनीर भी इमरान खान को सजा दिलवाकर राजनीति से बेदखल करवाने और उनकी पार्टी के बड़े नेताओं पर पाला बदलने का दबाव बनाने को दृढ़संकल्प हैं। पाकिस्तान पर अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष के सख्त रुख ने अन्य संभावित सहायताकर्ताओं से मिलने वाली वित्तीय सहायता रोक रखी है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में कहा कि राहत पैकेज पाने से पहले पाकिस्तान, कुछ तकलीफदेह सही, लेकिन आर्थिक सुधार कर दिखाए। वर्ष 2022-23 में पाकिस्तान की आर्थिक वृद्धि दर लगभग 0.3 फीसदी रहने का अनुमान है और पिछले साल प्रति व्यक्ति आय गिरी। स्पष्ट है, इन स्थितियों में, पाकिस्तान भारत में सीमापारीय आतंकी गतिविधियां प्रायोजित करने में सावधानी बरतने को बाध्य होगा।

# बचपन की यादों में सबसे खूबसूरत लम्हा होता है पिकनिक

पिकनिक का जिक्र होते ही बच्चों से लेकर बड़ों तक के चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। पिकनिक मस्ती मनोरंजन का एक ऐसा साधन है जो हर किसी को उत्साहित कर देता है। अक्सर बचपन की यादों में भी पिकनिक सबसे खूबसूरत लम्हा होता है। लोग परिवार के साथ, दोस्तों संग या स्कूल ट्रिप पर पिकनिक के लिए जाते हैं। अक्सर देखा जाता है कि पिकनिक प्राकृतिक सुंदरता के बीच मनाते हैं। जिस पिकनिक को लेकर आप इतने उत्साहित रहते हैं क्या आपको पता है कि प्रतिवर्ष एक दिन को पिकनिक डे के तौर पर मनाया जाता है?

## पिकनिक डे का इतिहास

19वीं शताब्दी में इंग्लैंड की पिकनिक मशहूर हुई, जब सामाजिक अवसरों पर खाने की कई चीजों को शामिल किया जाता था। बाद के कुछ वर्षों में पिकनिक राजनीतिक प्रोटेस्ट के दौरान आम लोगों के बीच की गैदरिंग बन गई। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने पुर्तगाल में हुआ पिकनिक को सबसे बड़ी पिकनिक के तौर पर दर्ज किया। उस कार्यक्रम में करीब 20000 लोग शामिल हुए थे।

## परिवार के लिए निकालें वक्त

परिवार के साथ पिकनिक का प्लान बना रहे हैं तो सबसे पहले सदस्यों का वक्त ले लें। जैसे पहले से तय कर लें कि किस समय तक सब फ्री होंगे। ऐसा न हो कि मौके पर किसी के पास काम आ जाए और प्लान कैंसिल करना पड़े। इसलिए सबसे बात करके एक ऐसा समय तय कर लें जब सभी पिकनिक के लिए फ्री हों।

## ऐसे मनाएं पिकनिक डे

मौजूदा समय में पिकनिक दोस्तों और परिवार व करीबियों के साथ किसी सुंदर और आरामदायक जगह पर जाकर प्राकृतिकता के बीच मस्ती करने से है। पिकनिक को एक छोटी ट्रिप भी कह सकते हैं। इसमें खाने का सामान घर से पैक करके ले जाया जाता है। पार्क में जमीन पर चादर बिछाकर बैठकर पिकनिक का लुत्फ उठाया जाता है।

## पिकनिक के लिए स्नेक्स

घूमने जा रहे हैं तो खाने पीने की व्यवस्था भी कर लें। पिकनिक के लिए लजीज खाना पैक कर लें। खाने में बच्चों और बड़ों की पसंद की चीजें, गर्मी है तो डिहाइड्रेशन से बचने के लिए पानी, जूस आदि रख लें।

### क्या है पिकनिक शब्द का अर्थ

पिकनिक फ्रांसीसी भाषा से लिया गया शब्द है। पिकनिक का अर्थ होता है, प्रकृति के बीच बैठकर भोजन या नाश्ता करना।

### कब मनाते हैं पिकनिक डे

दुनियाभर में हर साल 18 जून को अंतर्राष्ट्रीय पिकनिक डे के तौर पर मनाया जाता है। माना जाता है कि इस दिन को मनाने की शुरुआत फ्रांसीसी क्रांति के दौरान हुई। उस दौर में बाहर एक प्रकार का अनौपचारिक भोजन किया जाता था।

## सही पिकनिक स्पॉट का चयन

पिकनिक पर जाना चाहते हैं तो किसी ऐसी जगह का चयन करें तो पिकनिक के लिए बेस्ट हो। जगह का चयन करते समय इस बात का ध्यान रखें कि अगर साथ में बुजुर्ग या बच्चे हैं तो उनके लिए पिकनिक स्पॉट पर कुछ मनोरंजक माहौल हो। जैसे बच्चों के लिए झूले या खेलने का उपयुक्त जगह। बुजुर्गों के साथ पिकनिक पर जा रहे हैं तो ध्यान रखें कि किसी ऐसी जगह का चयन न करें जहां उन्हें अधिक चलना पड़े या थका देने वाली जगह हो।

## परिवार संग बढ़ेगी बॉन्डिंग

पिकनिक परिवार वालों के साथ रिश्ते को मजबूत बनाना होता है। हम परिवार वालों को समझने का प्रयास करतें है ताकि आपसी तालमेल और भरोसा बढ़ सके। इसके लिए परिवार की पसंद नापसंद जानना। सबके व्यवहार को समझने की कोशिश करें। इसके लिए परिवार के सदस्यों के साथ वक्त बिताना चाहिए। एक दूसरे के साथ वक्त बिताने के भी कई तरीके हो सकते हैं। लेकिन अगर आपको परिवार वालों के साथ कम समय में अच्छी बॉन्डिंग बनानी है तो उनके साथ किसी सफर पर जाएं। सफर के दौरान सभी एक दूसरे के साथ पूरा समय रहते हैं। ऐसे में सबके व्यवहार और रहन-सहन को समझना आसान हो जाता है।

## हंसना मना है

लड़का- मां दिवाली आने वाली है, इस बार पटाखे इस दुकान से लुंगा! मां- हरामजादे, ये पटाखों की दुकान नहीं लड़कियों का हॉस्टल है, लड़का- पर मुझे क्या पता, एक दिन पापा कह रहे थे कि यहां एक से बढ़कर एक धांसु पटाखे मिलते हैं?

दुकानदार- बताइए जनाब क्या चाहिए? राहुल- अपने होने वाली बीवी के कुत्ते के लिए केक चाहिए, दुकानदार- यहीं खाओगे या पैक कर दूं।

एक कंजूस बनिया लड़का को बनिया लड़की से प्रेम हो गया, बनिया लड़की- जब पिताजी सो जाएगें, तो मैं गली में सिक्का फेंकुंगी, आवाज सुनकर तुरन्त अन्दर आ जाना, लेकिन लड़का सिक्का फेंकनें के एक घन्टे बाद आया, लड़की-इतनी देर क्यों लगा दी, लड़का- वो मैं सिक्का ढुंड रहा था, लड़की- अरे पागल वो तो धागा बांधकर फेंका था, वापस खिच लिया?

## कहानी — काम और कर्तव्य में अंतर

बहुत समय पहले की बात है एक राजा था। उसे राजा बने लगभग दस साल हो चुके थे। पहले कुछ साल तो उसे राज्य संभालने में कोई परेशानी नहीं आई। फिर एक बार अकाल पड़ा। उस साल लगान न के बराबर आया। राजा को यही चिंता लगी रहती कि खर्चा कैसे घटाया जाए ताकि काम चल सके और भविष्य में फिर अकाल न पड़ जाए। उसे पड़ोसी राजाओं का भी डर रहने लगा कि कहीं हमला न कर दें। एक बार उसने कुछ मंत्रियों को उसके खिलाफ षडयंत्र रचते भी पकड़ा था। राजा को चिंता के कारण नींद नहीं आती थी। भूख भी कम लगती। शाही मेज पर सैकड़ों पकवान परोसे जाते, लेकिन वह दो-तीन कौर से ज्यादा खा नहीं पाता। राजा अपने शाही बाग के माली को देखता था। जो बड़े स्वाद से प्याज व चटनी के साथ सात-आठ मोटी-मोटी रोटियां खा जाता था। जब राजा के राजगुरु ने ये सब देखा तो उन्होंने राजा से कहा कि अगर तुमको नौकरी ज्यादा अच्छी लगती है तो मेरे यहां नौकरी कर लो। मैं तो ठहरा साधू मैं आश्रम में ही रहूंगा, लेकिन इस राज्य को चलाने के लिए मुझे एक नौकर चाहिए। तुम पहले की तरह ही महल में रहोगे। गद्दी पर बैठोगे और शासन चलाओगे, यही तुम्हारी नौकरी होगी। राजा ने राजगुरु की बात मान ली और वह अपने काम को नौकरी की तरह करने लगा। फर्क कुछ नहीं था काम वही था, लेकिन अब वह जिम्मेदारियों और चिंता से लदा नहीं था। कुछ महीनों बाद उसके गुरु आए। उन्होंने राजा से पूछा कहो तुम्हारी भूख और नींद का क्या हाल है। राजा ने कहा कि मालिक अब खूब भूख लगती है और आराम से सोता हूं। गुरु ने राजा को समझाया कि देखो सबकुछ पहले जैसा ही है, लेकिन पहले तुमने जिस काम को बोझ की गठरी समझ रखा था। अब सिर्फ उसे अपना कर्तव्य समझ कर रहे हो। हमें ये जीवन कर्तव्यों को पूरा करने के लिए मिला है। किसी चीज को अपने ऊपर बोझ की तरह लादने के लिए नहीं मिला है। काम कोई भी हो, चिंता उसे और ज्यादा कठिन बना देती है। जो भी काम करें उसे अपना कर्तव्य समझकर ही करें। ये नहीं भूलना चाहिए कि हम न कुछ लेकर आए थे और न कुछ लेकर जाएंगे। इस बात का ध्यान आप भी रखेंगे तो हमेशा सुखी रहेंगे।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** — आज ऑफिस में बड़े अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आमदनी में इज़ाफ़ा होने के आसार नज़र आ रहे हैं। पूरे दिन खुद को तरोताज़ा महसूस करेंगे। महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी।

**वृषभ** — आज व्यावसायिक रूप से अच्छा समय है। आर्थिक लाभ भी शुभ रहेगा। दैनिक क्रियाकलापों में आप अपने परिवार के सदस्यों की भागीदारी और प्रदर्शन से प्रसन्न होंगे।

**मिथुन** — आज आपको हर किसी का सहयोग मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए अच्छे ऑफर्स आने के योग बन रहे हैं। घर में खुशी का माहौल बनेगा। संतान पक्ष से आज आपको खुशी मिलेगी।

**कर्क** — आज छात्र अपने प्रयासों में सुस्त हो सकते हैं और वे नई योजनाओं पर अमल करने के लिए पूर्ण रूप से तैयार नहीं हो पाएंगे। व्यवसायी और नौकरीपेशा जातक आज अधिक सफल रूप से सामने आएंगे।

**सिंह** — आज अचानक घर पर आपका कोई मित्र आ सकता है। हिस्ट्री स्टूडेंट्स को आज कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। किसी भी काम की शुरूआत करने से पहले जीवनसाथी से सलाह ले लेना अच्छा रहेगा।

**कन्या** — प्रभावी सहकर्मी आपकी कार्यशैली को और बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। आपको अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेंगे। राजनेताओं की

**तुला** — आज अधिकारियों से अपने व्यवहार में सावधानी रखनी चाहिए। धन लाभ के नए सोर्स नजर आयेंगे। आपको परिवार के किसी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है।

**वृश्चिक** — आपके पास अपने प्रिय लोगों के साथ अपनी मानसिकता साझा करने का समय होगा। प्रेम-संबंधों में लिप्त जातक अपने साथी के साथ भावनात्मक परिवेश में एक नया समीकरण विकसित कर पाएंगे।

**धनु** — आज का दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। माता-पिता के साथ आपके संबंध बेहतर होंगे। कोर्ट-कचहरी के किसी मामले में फैसला आपके पक्ष में रहेगा।

**मकर** — सामाजिक समारोहों और रिश्तेदारों से मिलने-मिलाने से आपको बहुत खुशी मिलेगी। यदि आप नौकरी परिवर्तन की तलाश में हैं, तो आप विभिन्न अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

**कुम्भ** — आज आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। मैकेनिकल इंजीनीयर्स वाले लोग अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे।

**मीन** — आप अपनी नौकरी में बदलाव की उम्मीद कर सकते हैं और विदेश यात्रा भी हो सकती है। क्योंकि आप अपनी वर्तमान नौकरी से अधिक पसंदीदा स्थान पर स्थानांतरित हो सकते हैं।

बॉलीवुड | खुलासा

# इंडस्ट्री कभी हारे हुए लोगों को याद नहीं करता : धर्मेंद्र

मिथुन चक्रवर्ती फिल्म इंडस्ट्री के उन बड़े नामों में से हैं जिन्होंने कड़ी मेहनत से अपना मुकाम बनाया है। 80 के दशक में फिल्में, मिथुन के नाम पर चल जाया करती थीं। उनकी पॉपुलैरिटी का ये आलम था कि लड़कियों के जुबां पर एक ही नाम रहा था जिम्मी। हालांकि इस ऊंचाई को छूने के लिए उन्होंने काफी संघर्ष भी किया है। उन्होंने एक बार बताया था कि कैसे उनकी यात्रा गुलाबों से भरा बिस्तर नहीं, बल्कि चुनौतियों से भरी थी। दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने अपने अभिनय की शुरुआत मृगया (1976) से की, जिसने उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार दिलाया। उनकी कुछ ब्लॉकबस्टर फिल्में डिस्को डांसर, सुरक्षा, सहस, वारदात, वांटेड, बॉक्सर, प्यार झुकता नहीं, प्यारी बहना, अविनाश, डांस डांस, प्रेम प्रतिज्ञा, मुजरिम, युगंधर, द डॉन, जल्लाद और अग्निपथ हैं। उन्हें आखिरी बार बंगाली फिल्म प्रजापति में देखा गया था। जब मिथुन पहली बार मुंबई आए तो उनके पास रहने के लिए कोई जगह नहीं थी और पैसे भी नहीं थे। अपनी जर्नी को याद करते हुए, एक्टर ने 2022 में बताया, कि मेरी यात्रा गुलाबों का बिस्तर नहीं रही है। मेरी यात्रा चुनौतियों और मंजिल के बारे में थी। मैं दर्द, संघर्ष से गुजरकर यहां तक पहुंचा, लेकिन मैं इससे उबरने के लिए हर दिन संघर्ष करता रहा। मैं बस लोगों को बताना चाहता हूं कि अगर मैं यह कर सकता हूं तो आप भी कर सकते हैं। अभिनेता ने आगे कहा, फिल्म उद्योग कभी भी हारे हुए लोगों को याद नहीं रखता है, आप तभी जीवित रह सकते हैं जब आप अच्छे होंगे। मैं जहां हूं वहां तक पहुंचने के लिए मुझे संघर्ष करना पड़ा। इंटरव्यू में उन्होंने आगे कहा, मैं अभिनेता बनने के लिए मुंबई नहीं आया था। सपनों के शहर में मेरा पहला दिन भ्रमित करने वाला था क्योंकि मुझे नहीं पता था कि कहां जाना है और कैसे जाना है।

# सलमान के शो में हाटनेस का तड़का लगायेंगी सनी लियोनी

बिग बॉस 5 में नजर आई सनी लियोनी एक बार फिर बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में नजर आएंगी। बिग बॉस के ओटीटी वर्जन को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है। इस शो का फॉर्मेट और इसके प्रतियोगी दर्शकों को काफी पसंद आते हैं।

बिग बॉस शो के निर्माता भी इस बात का प्रयास करते हैं कि इसमें कुछ शानदार प्रतियोगी दर्शकों को देखने को मिले। इस बार के शो में दर्शकों की भी भागीदारी होगी। वे टास्क पर नियंत्रण भी रख पाएंगे। उन्हें टास्क में या किसी को स्पॉट एलिमिनेशन में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

अब खबर आई है कि बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी भी बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में नजर आने वाली हैं। सनी लियोनी बिग बॉस सीजन 5 में नजर आई थीं। यह सन 2011 में आया था। इसके बाद उन्होंने इंडस्ट्री में एंट्री की थी। सनी लियोनी को लेकर आई इस खबर के बाद फैंस काफी उत्साहित हैं। बिग बॉस में वो एक बार फिर नजर आने की खबर से फैंस के बीच भी उत्सुकता बढ़ गई है। सनी लियोनी ने अपने आने की खबर पर जानकारी देते हुए लिखा है, बिग बॉस ओटीटी पर आना मेरे लिए घर आने जैसा है। इस शो से मेरी कई यादें जुड़ी हुई हैं। इस शो ने मेरे करियर को एक नई उड़ान दी थी। मैं इस शो को कई वर्षों से फॉलो कर रही हूं। यह शो अलग लेवल पर जाएगा। तो सभी लोग वेट एंड वॉच। यह बहुत ही ज्यादा अच्छा होगा।

सभी अब इस बात के कयास लगा रहे हैं कि सनी लियोनी शो में बतौर सरप्राइज कंटेस्टेंट आएंगी या वह सलमान खान के साथ इस शो को होस्ट करेंगी। इस शो में फलकनाज, अविनाश सचदेव, आकांक्षा पुरी, आलिया सिद्दीकी, जिया शंकर, देविका धुर्वे, मनीषा रानी जैसे प्रतियोगी नजर आने वाले हैं। यह 17 जून से स्ट्रीम होना शुरू होगी। फैंस बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 जिओ सिनेमा और वूट सिलेक्ट पर फ्री में देख सकते हैं।

बॉलीवुड | मसाला



# बड़े पर्दे पर कमबैक करेंगी सोनम कपूर

सोनम कपूर बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। लेकिन उनका करियर कुछ खास नहीं रहा है। उन्होंने अपने करियर में बहुत ही कम हिट फिल्मों में काम किया है। बेटे के जन्म देने के बाद एक्ट्रेस पर्दे से गायब हैं। ऐसे में अपने करियर को उड़ान देने के लिए सोनम कपूर ने यशराज टैलेंट के साथ हाथ मिलाया है।

बेटे के जन्म के बाद से दूर हैं सोनम कपूर बेटे वायु के जन्म के बाद से ही पर्दे से दूर हैं। लेकिन अब एक बार फिर वह अपने करियर को ट्रैक पर लाने के लिए तैयार है। अपने करियर को उड़ान देने के लिए एक्ट्रेस ने यशराज के साथ हाथ थामा है।

फिल्म अभिनेत्री सोनम कपूर ने यशराज फिल्म्स की सेलिब्रिटी प्रबंधन इकाई 'वाईआरएफ टेलेंट' के साथ करार किया है। एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि एजेंसी सोनम की पसंद की फिल्मों और वैश्विक फैशन तथा लक्जरी ब्रांड के साथ उनकी साझेदारी से लेकर कामकाजी मां के रूप में उनकी पसंद तक एक ब्रांड के रूप में उनकी पहचान बनाने के लिए काम करेगी। 'वाईआरएफ टेलेंट' ने इससे पहले रानी मुखर्जी, अनुष्का शर्मा, रणवीर सिंह, आयुष्मान खुराना और भूमि पेडनेकर जैसे कलाकारों के लिए काम किया है। वाईआरएस टेलेंट के उपाध्यक्ष (टेलेंट एंड कम्युनिकेशन्स स्ट्रटेजी) पृथ्विश गांगुली ने कहा, ''सोनम कपूर फिल्मों में लौटने वाली हैं और हम उनके साथ जुड़कर उत्साहित हैं।'' कुछ महीने पहले नेटफ्लिक्स पर आई फिल्म 'एके वर्सेस एके' में दिखाई दीं सोनम कपूर दो और फिल्मों में काम करने वाली हैं जिनके बारे में विस्तृत जानकारी अभी नहीं आई है।

अजब-गजब | नॉर्वे के इस आईलैंड पर होती है अजीबो-गरीब घटना

# यहां नहीं डूबता सूरज, रात 2 बजे भी खेलते हैं बच्चे

कभी आपने सोचा है कि अगर सूरज न डूबता और चांद न निकलता, तो हमें दिन-रात का पता कैसे चलता? हम कब आराम करते और कब काम करना शुरू कर देते। वो तो दिन-रात का कॉन्सेप्ट होने की वजह से ही हमारी जिंदगी इतने व्यवस्थित ढंग से चल पाती है, वरना बड़ी मुश्किल हो जाती। हालांकि आज हम आपको ऐसी ही जगह के बारे में बताएंगे, जहां कुछ महीनों तक दिन-रात होते ही नहीं हैं।

नॉर्वे में एक ऐसा आइलैंड है, जहां साल में कुछ महीने ऐसे गुजरते हैं, जिसमें सूरज ढलता ही नहीं है। सोचिए, जब सूरज नहीं ढलेगा तो आखिर कोई कैसे अपनी लाइफ साइकिल को ढंग से जी पाएगा। अजीब बात ये है कि कुदरत का ये अनोखा नज़ारा आर्कटिक सर्किल में पड़ने वाले आइलैंड स्थ्वद्वइह॰4 में देखा जाता है।

70 दिन तक 24 घंटे उगा रहता है सूरज

इस जगह पर मई से लेकर जुलाई तक कुल 70 दिन ऐसे होते हैं, जहां सूरज डूबता ही नहीं है। फिर अगले 3 महीने ऐसे होते हैं, जब सूरज निकलता ही नहीं है। यानि 70 दिन 24 घंटे उजाला रहता है और 3 महीने 24 घंटे अंधेरा। ये अजीबोगरीब दिन-रात का चक्र यहां रहने वाले 300 नागरिक झेलते हैं और ये उनके लिए काफी मुश्किल होता है। ऐसे में वो लगातार इस बात की मांग कर रहे हैं कि उनके इलाके को दुनिया का पहला टाइम फ्री ज़ोन घोषित कर दिया जाए।

डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक यहां के निवासी टाइमफ्री ज़ोन होने के लिए कैंपेन चला रहे हैं। उनके मुताबिक 70 दिन उनके लिए समय मायने ही नहीं रखता। वे रात के 2 बजे भी घर पेंट कर सकते हैं, सुबह 4 बजे भी स्विम कर सकते हैं। यहां के लोग अपने बिजनेस और काम के लिए घड़ी का सहारा नहीं लेते। हालांकि होटल और लॉज जैसे बिजनेस के लिए घड़ी का सहारा लिया जाता है फिर भी बहुत से लोगों का कहना है कि वे अपनी जिंदगी को फ्री होकर जीना चाहते हैं, ऐसे में उन्हें घड़ी की बंदिश नहीं चाहिए।

# यहां है 600 साल पुराना मंदिर महिलाओं के लिए है दूसरा घर!

तलाक किसी भी विवाहित जोड़े, परिवार और समाज के लिए दुख का मुद्दा होता है। तलाक होने पर सिर्फ दो लोग नहीं, परिवार भी अलग हो जाते हैं, ऐसे में पति-पत्नी की संतानों पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। तलाक को अच्छा तो नहीं कहा जा सकता, पर जब रिश्ते बर्दाश्त से बाहर चले जाते हैं, तब तलाक ही एक मात्र विकल्प बचता है। कई समुदायों में तलाक बुरा माना जाता है और उसके बाद औरतों की जिंदगी मुश्किल हो जाती है, पर जापान में तलाकशुदा औरतों को सशक्त करने के लिए सालों पहले एक मंदिर का निर्माण किया गया था, जो उनका दूसरा घर बन जाया करता था। इस मंदिर को तलाक मंदिर के नाम से जाना जाता है। मंदिर को 'डिवोर्स टेंपल' के नाम से जाना जाता है। ये 600 साल पुराना मंदिर है। आपको लगेगा कि यहां लोग आकर तलाक लेते हैं। पर ऐसा नहीं है, इस मंदिर का निर्माण उस दौर में हुआ था, जब जापानी औरतों के पास अपने अधिकार नहीं हुआ करते थे। वो घर में घरेलू हिंसा और प्रताड़ना का शिकार होती थीं। ऐसी महिलाओं को ये मंदिर सहारा देता था। उनका दूसरा घर बन जाता था और वो यहां आकर जिंदगी गुजार पाती थीं। रिपोर्ट्स के अनुसार ये एक बौद्ध धर्म का मंदिर है। इसे 1285 में बुद्धिस्ट नन काकुसान शीडो-नी ने बनवाया था। 1185 से लेकर 1333 के बीच, जापानी औरतों की स्थिति बेहद खराब थी। उनके पास मूल अधिकार ही नहीं थे। इसके अलावा उनके ऊपर कई सामाजिक प्रतिबंध भी लगाए जाते थे। ऐसे में जो महिलाएं अपनी शादी में नहीं खुश थीं या घरेलू हिंसा का शिकार होती थीं, वो इस मंदिर में आकर रहा करती थीं। कुछ समय बाद ये मंदिर उन औरतों को आधिकारिक रूप से तलाक के सर्टिफिकेट भी देने लगा जिससे वो अपनी जिंदगी खुशहाल ढंग से बिता सकें। ये सर्टिफिकेट कानूनी तौर पर महिलाओं को शादी से आजादी देता था। आज ये मंदिर महिलाओं को सशक्त करने के एक प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

# मणिपुर में अब भाजपा नेताओं के घरों पर हमला

### » भीड़ ने गोदाम को किया आग के हवाले

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर में हिंस रुकने का नाम नही ले रहा है। गुस्साये भीड़ ने भाजपा नेताओं के घर पर हमला बोला और आग लागने की कोशिश की। वहीं इस मामले में सेना के पूर्व अधिकारियों भी चिंता जताई है। मणिपुर में फिर हिंसा की घटना सामने आई है। भीड़ ने इंफाल पैलेस मैदान के पास एक गोदाम को आग के हवाले कर दिया और फिर भाजपा नेताओं के घरों को जलाने की भी कोशिश की। हिंसक लोग इसके बाद वहां तैनात सुरक्षा कर्मियों से भी भिड़ गए।

मणिपुर की रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के कर्मियों ने जब भीड़ को रोकने की कोशिश की, तो लोग उनसे ही भिड़ गए। पुलिस ने कहा कि आरएएफ के जवानों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े, क्योंकि भीड़ ने आसपास की अन्य निजी संपत्तियों को जलाने की कोशिश की थी। इंफाल शहर में रात भर भीड़ और सुरक्षा बलों के बीच संघर्ष में दो नागरिक घायल हो गए हैं। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के क्राकटा और चुराचंदपुर जिले के कंगवई से पूरी रात गोलीबारी की सूचना मिली है। इंफाल पश्चिम के इरिंगबाम पुलिस थाने में भी लूट की कोशिश की गई। हालांकि, कोई हथियार चोरी नहीं हुआ था।दंगाइयों को एकत्र होने से रोकने के लिए सेना, असम राइफल्स और मणिपुर रैपिड एक्शन फोर्स ने राज्य की राजधानी में आधी रात तक संयुक्त मार्च किया।

## एक इंजन का फ्यूल खत्म, दूसरा हो गया अलग: पी. चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मणिपुर में हो रही हिंसा को लेकर राज्य सरकार और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आखिर कब राज्य में हो रही हिंसाओं पर बोलेंगे। पीएम कब जनता से शांति बनाने की अपील करेंगे। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा कि कर्नाटक में डबल इंजन सरकार फेल हो गई। भाजपा को कर्नाटक की जनता ने दरवाजा दिखाया है। पी चिदंबरम ने ट्वीट कर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक इंजन (राज्य सरकार) का तो फ्यूल ही खत्म हो गया। वहीं दूसरे इंजन (केंद्र सरकार) ने खुद को अलग कर लिया है और लोको शेड में छिपा हुआ है। सीएम बीरेन सिंह ने राज्य के सभी वर्गों का विश्वास खो दिया है। वहीं पीएम मोदी तो मणिपुर के लोगों से बात ही नहीं करना चाहते और न ही वे जनता से शांति की अपील कर रहे हैं। राज्य में पिछले डेढ़ महीने से हिंसा जारी है। लेकिन पीएम न तो वहां गए और न ही उन्होंने इस पर एक शब्द कहा। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि केंद्रीय मंत्री राजकुमार रंजन सिंह का घर भी प्रदर्शनकारियों ने आग के हवाले कर दिया। बावजूद इसके प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं कहा।

## मणिपुर के हालात सीरिया और लीबिया जैसे: पूर्व सेना प्रमुख

इंफाल। मणिपुर में जारी हिंसा पर अब पूर्व सैन्य अधिकारियों ने भी चिंता जाहिर की है। पूर्व सेना प्रमुख वेद प्रकाश मलिक ने केंद्र सरकार से मणिपुर के हालात पर तुरंत ध्यान देने की अपील की है। वहीं एक रिटायर्ड सैन्य अधिकारी ने मणिपुर के मौजूदा हालात की तुलना सीरिया और लीबिया जैसे हिंसाग्रस्त देशों से कर दी है। बता दें कि एक महीने से ज्यादा समय बीतने के बाद भी मणिपुर में हालात काबू में नहीं आ पा रहे हैं। हथियारबंद विद्रोहियों की सुरक्षाबलों के साथ झड़पों की कई खबरें सामने आ चुकी हैं। मणिपुर से ताल्लुक रखने वाले रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एल निशिकांत सिंह ने ट्वीट करते हुए लिखा कि मैं एक आम भारतीय हूं और एक रिटायर्ड जिंदगी जी रहा हूं। राज्य में कानून व्यवस्था समाप्त हो चुकी है। लोगों की जिंदगी, उनकी संपत्ति कभी भी किसी के द्वारा नष्ट की जा सकती है जैसे कि लीबिया, लेबनान, नाइजीरिया और सीरिया आदि देशों में। ऐसा लग रहा है कि मणिपुर को उसके हाल पर छोड़ दिया गया है। क्या कोई सुन भी रहा है?रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल निशिकांत सिंह के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए पूर्व सेना प्रमुख वेद प्रकाश मलिक ने कहा कि मणिपुर के एक रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल से बात हुई और वह बहुत दुखी थे। मणिपुर में कानून व्यवस्था पर शीर्ष स्तर पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। अपने इस ट्वीट के साथ वेद मलिक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को टैग किया।

## 1000 लोगों की भीड़ ने किया हमला

इंफाल पैलेस मैदान के पास लगभग 1000 लोगों की भीड़ ने कई इमारतों को जलाने की कोशिश की। आरएएफ ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और रबड़ की गोलियां भी चलाईं। दूसरी ओर भीड़ ने विधायक बिस्वजीत के घर में भी आग लगाने की कोशिश की। हालांकि, आरएएफ कॉलम ने भीड़ को तितर-बितर कर दिया। आधी रात के बाद सिंजेमाई में कुछ अन्य लोगों ने भाजपा कार्यालय को घेर लिया, लेकिन कोई नुकसान नहीं पहुंचा, क्योंकि सेना के एक दस्ते ने इसे तितर-बितर कर दिया। इसी तरह, आधी रात के करीब इंफाल में पोरमपेट के पास भाजपा की महिला मोर्चा अध्यक्ष शारदा देवी के घर में भीड़ ने तोड़फोड़ करने की कोशिश की। सुरक्षाबलों ने बाद में युवकों को खदेड़ दिया।

# निरंकुश हो रहे स्टालिन: अन्नामलाई

### » पार्टी सचिव एसजी सूर्या की गिरफ्तारी पर भड़की भाजपा

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में भाजपा के राज्य सचिव एसजी सूर्या को मदुरै की साइबर क्राइम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी शुक्रवार रात हुई, जिसके बाद भाजपा सीएम स्टालिन पर हमलावर हो गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने ट्वीट कर एसजी सूर्या की गिरफ्तारी पर नाराजगी जाहिर की और आरोप लगाया कि सीएम एमके स्टालिन निरंकुश शासन की तरफ बढ़ रहे हैं।

तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष के अन्नामलाई ने ट्वीट कर लिखा कि भाजपा के राज्य सचिव एसजी सूर्या की गिरफ्तार निंदनीय है। उनकी सिर्फ ये गलती थी कि उन्होंने डीएमके के सहयोगी कम्युनिस्टों के दोहरे मानदंडों का खुलासा किया था। राज्य के तंत्र का इस्तेमाल कर बोलने की आजादी पर रोक लगाना थोड़ी से आलोचना होने पर चिड़चिड़ा हो जाना, लोकतांत्रिक रूप से चुने गए नेता को शोभा नहीं देता। बेशक, यह निरंकुश नेता की निशानी है। एमके स्टालिन राज्य को अराजक जंगल में बदल रहे हैं लेकिन ये गिरफ्तारी हमें विचलित नहीं करेगी और हम कड़वा सच बोलते रहेंगे।

### इस मामले में हुई गिरफ्तारी

दरअसल भाजपा के राज्य सचिव एसजी सूर्या ने बीते दिनों मदुरै के सांसद सु वेंकटेशन के खिलाफ एक ट्वीट किया था। दरअसल बीते दिनों एक सफाई कर्मी की नाले की सफाई करते समय मौत हो गई थी। इस घटना को लेकर ट्वीट करते हुए भाजपा नेता ने सांसद पर इस दिशा में पर्याप्त कार्रवाई ना करने का आरोप लगाया। भाजपा नेता सांसद को कड़े शब्दों में एक चिट्ठी भी लिखी। इसके बाद ही एसजी सूर्या को गिरफ्तार किया गया है।

# किम जोंग के भाई हैं जगन रेड्डी: चंद्रबाबू

### » लोगों को डराकर राज्य पर किया शासन

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चित्तूर (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी पर हमला किया। चंद्रबाबू नायडू ने सीएम जगन मोहन रेड्डी पर राज्य के लोगों को भयभीत करके शासन करने का आरोप लगाते हुए उन्हें उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन का भाई बताया।

कुप्पम में मीडिया से बातचीत के दौरान तेलुगू देशम पार्टी के प्रमुख ने कहा कि सिर्फ लोगों को डराकर कोई शासन नहीं कर सकता। जगन उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन के भाई हैं। उन्होंने कहा कि यह देखते हुए कि कुप्पम के लोग मुझे स्नेह की वजह से चुन रहे हैं और मैंने महसूस किया है कि जगन पुलिवेंदुला से जीतते रहे हैं लेकिन उन्हें इस वजह से लोगों ने वोट दिया कि वे पुलिवेंदुला के मतदाताओं में लगातार डर पैदा रहे हैं।

## 'जनता अब राज्य सरकार के खिलाफ विद्रोह करने को तैयार'

हुद हुद चक्रवात की परवाह नहीं करने वाले विशाखापत्तनम के नागरिक अब वाईएरआरसीपी के नेताओं से डरने लगे हैं। चंद्रबाबू नायडू ने कहा, जब मैंने कहा कि ये दुष्ट आत्मा लोगों पर हमला करेंगे, तो लोगों ने मुझ पर विश्वास नहीं किया। अब आप देख सकते हैं कि क्या हो रहा है। टीडीपी सुप्रीमो ने आरोप लगाया कि ताजा घटना जिसमें वाईएसआरसीपी के सांसद के परिवार के सदस्यों का अपहरण कर लिया गया है, बंदरगाह शहर विशाखापत्तनम में मौजूदा स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जगन ने अब तक केवल लोगों को डराकर राज्य पर शासन किया है और जनता अब इसे सहन करने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि वे अब राज्य सरकार के खिलाफ विद्रोह करने के लिए तैयार हो रहे हैं। लोग जल्द ही जगन को राज्य से बाहर खदेड़ देंगे। चंद्रबाबू ने जन सेना प्रमुख पवन कल्याण के प्रति राज्य सरकार के अत्यधिक आपत्तिजनक रवैये पर कड़ी आपत्ति जताई। चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि कैबिनेट मंत्रियों ने टीडीपी नेताओं और पवन कल्याण के खिलाफ अत्यधिक आपत्तिजनक भाषा का उपयोग करने की आदत बना ली है।

# भविष्य के आधार पर हो तैयारी: राष्ट्रपति मुर्मु

### » वायुसेना एकेडमी परेड की समीक्षा की

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार सुबह हैदराबाद के पास डुंडीगल में वायुसेना एकेडमी (एएफए) में 211वें कोर्स की कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड (सीजीपी) का पूरे सैन्य वैभव के साथ निरीक्षण किया। राष्ट्रपति ने कहा, सशस्त्र बलों को रक्षा तैयारियों के एकीकृत परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखना होगा।

मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि हमारी वायु सेना एक उच्च-तकनीकी युद्ध से लड़ने की चुनौतियों सहित सुरक्षा परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए, विशेष रूप से भविष्य के लिए तैयार होने के लिए कदम उठा रही है। मैं आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय एजेंडे को साकार करने के लिए रक्षा मंत्रालय के स्वदेशीकरण के प्रयासों के बारे में जानकर भी खुश हूं। एएफए के अधिकारियों के मुताबिक, एएफए के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है, जब राष्ट्रपति समीक्षा अधिकारी हैं। सीजीपी परेड डुंडीगल के एयरफोर्स अकादमी में आयोजित हुई। सीजीपी का आयोजन भारतीय वायु सेना की विभिन्न शाखाओं के फ्लाइट कैडेटों के प्री-कमीशनिंग प्रशिक्षण के सफल समापन के उपलक्ष्य में किया जाता है।

## राष्ट्रपति की पट्टिका से किया सम्मानित

रिलीज के मुताबिक, ऑर्डर ऑफ मेरिट में प्रथम आने वाली फ्लाइंग ब्रांच के फ्लाइट कैडेट को परेड की कमान संभालने का विशेषाधिकार दिया गया और उनके प्रदर्शन के लिए स्वॉर्ड ऑफ ऑनर और राष्ट्रपति की पट्टिका से सम्मानित किया।

# कुएं में कूद जाऊंगा पर कांग्रेस में नहीं आऊंगा: नितिन गडकरी

» कांग्रेस नेता श्रीकांत जिचकर ने दी थी सलाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एक घटना को याद करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने खुलासा किया कि एक बार एक नेता ने उन्हें कांग्रेस में शामिल होने की सलाह दी थी, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था कि वह पार्टी में शामिल होने के बजाय कुएं में कूदना पसंद करेंगे। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने यह भी दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में देश में कांग्रेस के 60 वर्षों के शासन की तुलना में दोगुना काम किया है।

उन्होंने दिवंगत कांग्रेस नेता श्रीकांत जिचकर द्वारा एक बार दी गई सलाह को भी याद किया। गडकरी ने बताया कि ये उस वक्त की बात है, जब मैं छात्र नेता थे। तब मेरे एक दोस्त ने कहा था कि तुम एक अच्छे इंसान हो। तुम्हारा राजनीतिक भविष्य अच्छा है। आपको कांग्रेस में शामिल हो जाना चाहिए।

## जबसे कांग्रेस बनी कई बार टूटी

उन्होंने कहा कि कांग्रेस जबसे बनी है कई बार टूट चुकी है। हमें अपने देश के लोकतंत्र के इतिहास को नहीं भूलना चाहिए। हमें भविष्य के लिए अतीत से सीखना चाहिए। अपने 60 साल के शासन में कांग्रेस ने गरीबी हटाओ का नारा दिया, लेकिन निजी फायदे के लिए कई शिक्षण संस्थान खोले।

## भाजपा की विचारधारा मजबूत

गडकरी ने आगे कहा कि जिचकर ने मुझसे कहा था कि आपकी पार्टी का कोई भविष्य नहीं है। इस पर मेरा जवाब था कि मुझे भाजपा और उसकी विचारधारा पर पूरा भरोसा है और मैं इसके लिए काम करना जारी रखूंगा। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने आरएसएस की छात्र शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के अपने पुराने दिनों को याद किया। साथ ही खुद में मूल्य स्थापित करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सराहना की।

# सीएम गहलोत के वीडियो पर मचा सियासी बवाल

» महिला का घूंघट हटाने पर भाजपा ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में इस साल चुनाव होना है। चुनावी साल में राजनीतिक पार्टियां एक दूसरे पर जमकर हमला बोल रही हैं। अब भाजपा ने एक वीडियो को लेकर सीधी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर हमला बोला है। दरअसल, ये पूरा सियासी विवाद घूंघट और बुर्के को लेकर हो रहा है।

बांसवाड़ा जिले में एक कार्यक्रम में सीएम अशोक गहलोत एक महिला का घूंघट हटाते हुए कह रहे हैं कि घूंघट का जमाना गया अब... इस वीडियो को भाजपा ने सोशल मीडिया पर शेयर कर किया है। इसी के साथ एक वीडियो और है जिसमें गहलोत बुर्का पहने एक महिला से मिलते हैं, लेकिन उससे ऐसा कुछ नहीं कहते हैं।

## बुर्के पर बोलती बंद हो जाती: राज्यवर्धन सिंह

भाजपा का दावा है कि दोनों वीडियो बांसवाड़ा के घाटोल में हुए सरकार के कार्यक्रम के हैं। अब भाजपा सीएम अशोक गहलोत की ओर से महिला का घूंघट हटाए जाने का विरोध कर रही है। भाजपा सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौर ने ट्वीट कर लिखा- फर्क साफ है! कांग्रेस के सीएम को जबरदस्ती महिलाओं का घूंघट हटाना है। इसके लिए वह बाकायदा अभियान चलाते हैं, लेकिन बुर्के पर बोलती बंद हो जाती है और इनके आलाकमान हिजाब का समर्थन करते हैं। इस तरह कांग्रेस ने भारत को बर्बाद किया। ये दोगलापन नहीं तो और क्या!

# अयोध्या: ट्रक व टैंकर में आमने सामने टक्कर, दो जिंदा जले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रुदौली (अयोध्या)। लखनऊ-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जिले के सीमा पर स्थित रानीमऊ चौराहे पर दर्दनाक हादसा हो गया। शनिवार की भोर करीब 2:40 बजे ट्रक व टैंकर के बीच आमने-सामने की सीधी टक्कर हो गई। ट्रैंकर में तारकोल भरा होने के कारण हादसे के बाद दोनों भारी वाहनों में आग लग गई। वाहनों पर सवार दो लोग जिंदा जल गए।

घटना की सूचना मिलते ही सीओ सत्येंद्र भूषण तिवारी व थानाध्यक्ष पटरंगा ओमप्रकाश सहित तीन थानों की फोर्स घटना स्थल पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड के जवानों की मदद से लगभग दो घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। पुलिस के मुताबिक ट्रक संख्या आरजे 29 जीबी1563 नेपाल से मार्बल उतारकर वापस लौट रहा था। टैंकर संख्या यूपी 78 डीटी 8490 तारकोल लेकर

शाहजहांपुर से बस्ती जा रहा था। दोनों वाहन रानीमऊ पहुंचे ही थे कि अचानक नेपाल से लौट रहा ट्रक अनियंत्रित हो गया और डिवाइडर को क्रास कर सामने से आ रहे टैंकर में जोरदार टक्कर मार दी। ट्रैंकर में टक्कर लगते ही आग लग गई। तेज धमाके के साथ लोगों की नींद टूट गई। फायर ब्रिगेड की टीम को घटनास्थल पर आने में पौन घंटे से अधिक समय लग गया। तब जाकर राहत बचाव कार्य शुरू हुआ। छह घंटे से नेशनल हाइवे वनवे है। अभी तक दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हाइवे से हटाया नहीं जा सका।

# जूनागढ़ में भीड़ का पथराव, डीएसपी समेत चार पुलिसकर्मी घायल

» अवैध दरगाह हटाने के नोटिस पर मामला गरमाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जूनागढ़। गुजरात के जूनागढ़ में अवैध दरगाह को हटाने के नोटिस पर बवाल हो गया है। गुस्साए लोगों ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया, जिसमें डीएसपी समेत चार पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। पुलिस का कहना है कि पथराव के चलते एक व्यक्ति की मौत हुई है। पुलिस घटना की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज से दंगाईयों की पहचान की जा रही है।

जूनागढ़ के एसपी रवि तेजा वासमसेट्टी ने बताया कि जूनागढ़ में मजेवाड़ी गेट के पास एक दरगाह है। जूनागढ़ नगर पालिका द्वारा दरगाह को नोटिस दिया गया और पांच दिन में दरगाह की वैधता को लेकर कागजात जमा करने का निर्देश दिया। शुक्रवार रात

करीब 500-600 लोगों की भीड़ दरगाह के पास जमा हो गई।

पुलिस ने लोगों से सड़क जाम ना करने की अपील की लेकिन रात सवा दस बजे के करीब गुस्साए लोगों ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया।

## 174 लोगों को हिरासत में लिया

भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। वहीं पथराव में एक डीएसपी समेत चार पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। पुलिस ने 174 लोगों को हिरासत में लिया है। एसपी ने बताया कि एक व्यक्ति की मौत हुई है। प्रथम दृष्टया पथराव के चलते उसकी मौत हुई है लेकिन मौत की असल वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता चल पाएगी। फिलहाल घटना की जांच की जा रही है। उपद्रवियों ने हंगामे के दौरान कुछ वाहनों में आग लगा दी। घटना को राज्य के गृह विभाग ने गंभीरता से लिया है और पुलिस के आला अधिकारी हालात पर नजर रख रहे हैं। घटना के वीडियो फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आरोपियों की पहचान की जा रही है।

फोटो :4 पीएम

**सेमिनार** रक्षामंत्री राजनाथ सिंह आज सूर्या क्लब (कैंट) में आत्मनिर्भर भारत पर आयोजित सेमिनार में शामिल हुए।

# मूसेवाला हत्याकांड के आरोपियों की 28 जून को होगी पेशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मानसा। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में किसी भी आरोपित को अदालत में पेश नहीं किया गया। जिसके बाद मानसा के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट (सीजेएम) सुरभि पराशर ने जेल प्रशासन को निर्देश दिया है। उन्होंने सभी आरोपितों को 28 जून को फिजीकल या वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश करने का आदेश दिया है।

» कोर्ट में पेश करने का आदेश

सिद्धू मूसेवाला

सिद्धू मूसेवाला की 29 मई 2022 को मानसा के गांव जवाहरके में छह हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पंजाब पुलिस की ओर से मूसेवाला हत्याकांड में चार्जशीट दायर किए नौ महीने से अधिक समय गुजर चुका है, लेकिन अदालत अभी तक आरोपितों के खिलाफ आरोप तय नहीं कर पाई है। इसका एक कारण सभी को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक साथ पेश करना अधिकारियों के लिए एक चुनौती है। अब तक एक दिन में छह से ज्यादा आरोपितों को कोर्ट में पेश नहीं किया गया है।

## बठिंडा सेंट्रल जेल में भेजा गया लॉरेंस बिश्नोई

मुख्य आरोपित में से एक लॉरेंस बिश्नोई को 27 सुनवाई में केवल एक बार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किया गया है। कुल 31 आरोपितों में से पुलिस ने 27 को गिरफ्तार किया था। इनमें से दो मनदीप सिंह और मनमोहन सिंह तरनतारन जिले की गोइंदवाल जेल में झ?प के दौरान मारे गए थे। चार आरोपित विदेश में बैठे हैं। लारेंस बिश्नोई को वीरवार देर रात करीब एक बजे उच्च सुरक्षा वाली बठिंडा सेंट्रल जेल में भेज दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।